

FORM NO III

फर्द अहकाम  
(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी अरांई

मुकाम अरांई (अजमेर)

काला देवी पत्नी स्व. श्री गोविन्द जाति मीणा उम्र लगभग 48 साल निवासी ग्राम गोली तहसील अरांई जिला अजमेर राज -वादीगण

बनाम

• हनुमान पुत्र जवरी जाति मीणा उम्र लगभग 60 साल निवासी ग्राम गोली तहसील अरांई जिला -प्रतिवादीगण

किस्म मुकदमा- 88,53,209 राज0 का0 अधि0 1955

नंबर 42/2022

ऑनलाइन नंबर 2022/43

वकील वादी योगेशशर्मा

वकील प्रतिवादीगण.....

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
13.06.2022	यह वादपत्र वादीगण की ओर से वकील श्री योगेशशर्मा ने अन्तर्गत धारा राज. का. अधि. धारा 88,53,209 के तहत पेश किया। वादपत्र के साथ संलग्न दस्तावेज का अवलोकन किया, वकील वादीगण को सुना गया। प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण की तलबी जरिये सम्मन की जाकर पत्रावली दिनांक 17.06.2022 को पेश हो।	
17/6/2022	पत्रावली पेश हुई वकील वादी उप. प्रतिवादीगण 1 से 4 के तामील बुडा नोटिस शा. मि। वकील इहेबने रामचानी उप. खेकट लक्ष्मी/प/ गोविंड व सुहृद लाल उप. गोविंड की ओर से वकालतनामा व प्रा. पत्र 01 R 10(2) सपडित धारा 15/अ.प.क. पेश में शा. मि। पत्रावली दिनांक 08/7/2022 को पेश की	

उपखण्ड अधिकारी  
अरांई

उपखण्ड अधिकारी  
अरांई (अजमेर)

नगर पंचायत  
अधिकारी  
नामोल

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उपस्थित।  
P.O. साहब चुनाव कार्य/राजकार्य/दौर/अवकाश  
पर पत्रावली पूर्व ज्ञानेशानुसार.....  
दिनांक 21/11/18 को पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उप।

वापस उपोचित शीर्षक है  
पत्रावली दिनांक 21/11/18 को पेश हो

उपखण्ड अधिकारी  
अराई

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उपस्थित।  
21/3/25 .....  
पत्रावली पूर्व ज्ञानेशानुसार दिनांक 9/5/2024 को  
पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उपस्थित।  
9/5/25 .....  
पत्रावली पूर्व ज्ञानेशानुसार दिनांक 27/6/25 को  
पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उपस्थित।  
29/8/18 P.O. साहब चुनाव कार्य/राजकार्य/दौर/अवकाश  
पर पत्रावली पूर्व ज्ञानेशानुसार.....  
दिनांक 2/9/18 को पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उप।  
वापस उपोचित शीर्षक है  
पत्रावली दिनांक 3/11/18 को पेश हो

उपखण्ड अधिकारी  
अराई

31/10/18 पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारण उपस्थित।  
समय में मत-2 का भीतर भावापेक्षा है।  
किंतु वकील पक्षकारण उपस्थित। पत्रावली अज्ञानपूर्वक  
पत्रावली पूर्व ज्ञानेशानुसार ही वापस उपोचित  
पत्रावली अज्ञानपूर्वक ही वापस उपोचित